अपनी उन्नति के लिये रोज़ पोतामेल निकालो
यज्ञ के प्रति ऑनेस्ट रहे चलन कैसी रही..चेक करो
जो बच्चे यज्ञ प्रति सच्चे रहते कुछ छिपाते नही ईमानदार होते,बाप भी उनका रिगार्ड रखते
अन्तर्मुखी बनकर शरीर के भान से परे रहने का अभ्यास करना
खान -पान ,चाल चलन सुधारना
कोई भी कर्म सम्भाल कर करना
उल्टा कर्म न हो सज़ाओं से बचना
लक्ष्मी -नारायण जैसा बनना
संतुष्ट अर्थात सम्पन्नता..मास्टर सागर बनना
सदा संपन्न और खुशी में रहने से विघ्न खेल अनुभव होगा
निश्चयबुद्धि होने से हर्षित और विजयी बनेंगे
परिस्थितियों से पाठ पढ़ परिपक्व बनना

ॐ शांति
मेरा बाबा